

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

నిరస ఆధ్వర్యమున ఈ తీరులే నాడు.
 ఎల్. ఎల్. బి (ప్రీవియన్)
 పుస్తకము:—473 జో న లె క

మధ్యాహ్నం.
187 ప్రచురణ.
ద్యోతనములేజి — 17 54 35 41 42
44 49 50 52 53 55 58 60 61 63 64
67 74 76 79 80 81 82 83 85 86 88

110 111 124 136 140 143 145 151 155 158
158 160 162 165 167 168 176 178 180 182
185 186 189 190 191 192 193 195 196 197
202 205 207 208 210 213 218 219

220 224 227 228 230 232 236 238
240 246 255 257 270 275 280 285
289 292 295 299 304 306 308 311
313 321 322 327 334 341 347 349 355
356 363 370 371 372 373 374 375

384 385 392 399 401 402 412 415 41
425 428 429 431 433 436 437 438
440 444 449 452 453 457 462 465 46
471 478 479 483 491 499 500 501 50

504 510 511 512 514 515 521 F22 522
526 527 F28 529 538 534 537 540 541
543 545 546 547 552 556 558 565 566
570 571 573 576 578 F81 F83 584 585
587 588 593 594 595 597 604 605

607 608 609 614
(ఎల్. ఎల్. బి. ఫైనల్)
ప్రథమ శ్రేణి 758 పి రాధాకృష్ణ
మూ ర

ద్వితీయ శ్రేణి 6x1 22 28 26 2
 30 31 33 34 35 38 39 43 47 48 5
 51 52 53 54 56 56 59 61 62 66 6
 70 72 77 79 80 81 82 82 85 86 8
 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98

89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

86 90 91 92 93 94 95 96 99 801 0
05 06 08 09 810 11 12 15 16 1
818 821 825 827 829 832 838 83
841 845 848 860 862 8

867 869 875 876 878 882 885 888 890 892 894 896 898 900 902 904 906 908 910 912 914 916 918 920 922 924 926 928 930 932 934 936 938 940 942 944 946 948 950 952 954 956 958 960 962 964 966 968 970 972 974 976 978 980 982 984 986 988 990 992 994 996 998 1000

965 966 968 969 972 974 975 97
978 979 980 981 982 989 991 99
995 996 997 998 1000 1001 100
1006 1007 1009 1011 1012 101

1015 1016 1017 1018 1019 1020
1024 1026 1028 1030 1032 1034
1039 1040 1046 1052 1056 1060
1058 1060 1065 1067 1069 1070
1071 1072 1078 1078 1080 1081

పాత నిబంధనలు
ద్వితీయశ్రేణిలో ఉత్తీర్ణులకు కా
1086 మూర్తిం.

ఉస్మానియా
బి. వి. ఎస్.సి.
నాదర బాదు, మే 28 గతము

విద్యాలయం వారు నిగ్రహించిన రి. :
ఎస్.సి. మరియు అనియర్ హాస్టల్స్
(I, II, III, IV) పరీక్షలలో ఉత్తీ
రైనవారి వంటివి

మొదటి పరీక్ష
ఈ క్రిందివారు పాస్యయినారు:
5 12 18 16 20 21 29 34 36 38
41 42 43 55 56 59

ఈ క్రిందివారు పరీక్షకు తూ
నంబరు : 72 73 74 75 76
రెండవ పరీక్ష

90 91 118 114 116 128 181 128
138.
పరీక్ష పూ రించేసినవారు : 151 152
155 156 157 159 160 161 162.

మూడవ పరిచ్ఛేదము
 పృష్ఠాంశములు : 168 164 16
 167 168 169 178 184 186 189 19
 196 197 200 206 208.

సరికొత్త పూరించినవారు : 219 220 221 222 223.

నాల్గవ పరీక్ష

సంపూర్ణముగా : 224 225 226 227 228

234 240 245 253 262 268 272.
పరీక్ష పూర్తి చేసినవారు : 288 292
293 294.

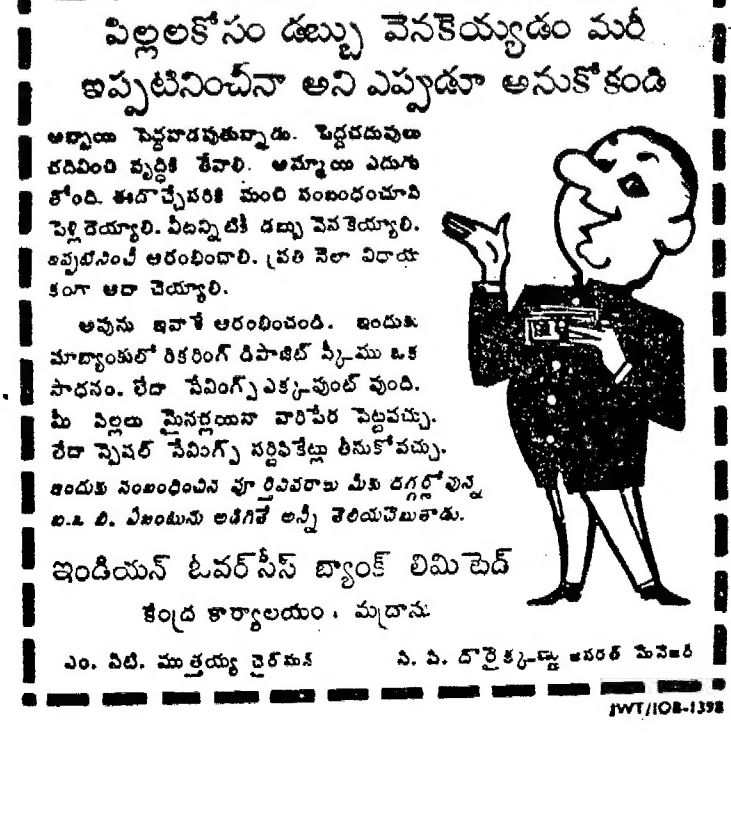
రాష్ట్ర) లలితకళా అకాదమీకి
శ్రీ చిత్రా రాజీనామా
విశాఖపట్నం, మే 21, ఆంధ్రప్రదేశ్

అంతా కలిసి కృష్ణుని
సమీపమునకు వచ్చి తామును
అంగీకరించినది దీనిని తమ పుత్రులు
సమీపమునకు వచ్చి తామును
అంగీకరించినది దీనిని తమ పుత్రులు

టింపాను. అంధ విశ్వవిద్యాలయంత
నగుననున్న వ్యవహారాలపై తనకు తె
లివదా నిమిత్తం. విద్యార్థులతో సంబ
ధించిన విషయంతోను తాను సంబంధ

ಪ್ರಾಚೀನ ಕೊನೆಯಲ್ಲಿರುವ ಕೊಡುಗೆಯ
ದಿನದೊಳಗೆ ವಿವರಿಸುವುದು.

ప్రతిపక్ష పార్టీలకు
వి. పి. దొరైశాస్త్రి అవరణ మేనేజర్
JMT/IOB-1358



శ్రీ భాగవతి సమాహం జరుపవచ్చును
కం.నీ కామకోటి వీరాధిపతులు
శంకరాచార్యులవారు ప్రసలకు తెలియ
జేస్తున్నారు.

దిగారు. వాళ్ళు స్వల్ప విషయాలనుండి ప్రజలకు తెలుస్తోంది. శిక్షణ రహితంగా ప్రజల ఆర్థిక అభ్యుదయికి కృషి చేయటం మాత్రే, దేశ భవిష్యత్తుకు ప్రమాదకరము.”

(ప్రజల హక్కుల కోరికలను తెలుస్తోంది. శిక్షణ నిమిత్తము నలుగురు స్వచ్ఛంద సేవకులను సంఘమనించిగా జ్వాలాకాంక్ష గ్రూపు సంఘాలను కొరారు.

శ్రీ భాగవతి సమాహం జరుపవచ్చును
కం.నీ కామకోటి వీరాధిపతులు
శంకరాచార్యులవారు ప్రసలకు తెలియ
జేస్తున్నారు.

శ్రీ సంతీవరెడ్డి నిరసన
దుర్గాపూర్, మే 28: పేజి 3

దిగారు. వాళ్ళు స్వల్ప విషయాలనుండి ప్రజలకు తెలుస్తోంది. శిక్షణ రహితంగా ప్రజల ఆర్థిక అభ్యుదయికి కృషి చేయటం మాత్రే, దేశ భవిష్యత్తుకు ప్రమాదకరము.”

(ప్రతినిధి) తొలుస్తోంది. శిక్షణ నిమిత్తము నలుగురు స్వచ్ఛంద సేవకులను సంఘమనించిగా జ్వాలాకాండ గ్రామ సంఘాలను కోరారు.

శ్రీ భాగవతి సమాహం జరుపవచ్చును
కం.నీ కామకోటి వీరాధిపతులు
శంకరాచార్యులవారు ప్రసలకు తెలియ
జేస్తున్నారు.

